एक नजर में

महावीर इंटरनेशनल में सजा स्नेह का संगम

मंदसौर। महावीर इंटरनेशनल मंदसौर परिवार ने कोषाध्यक्ष वीर दिनेश जैन व वीरा ज्योति जैन की विवाह वर्षगांठ को स्नेह और आत्मीयता के साथ मनाया। शनिवार शाम आयोजित %स्नेहिल मिलन% कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारियों व सदस्यों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। पूरे आयोजन का माहौल सौहार्द और अपनत्व से सराबोर रहा। उपस्थित सदस्यों ने वीर दिनेश जैन व वीरा ज्योति जैन के सुखी, स्वस्थ एवं दीर्घायु दाम्पत्य जीवन की मंगलकामनाएं प्रेषित कीं। संस्था अध्यक्ष अरविंद कुदार ने दंपति को शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, समृद्धि और निरंतर खुशियों की कामना की। इस अवसर पर गवर्निंग काउंसिल मेंबर राकेश जैन, जॉन ट्रेजर संजय चौधरी, जॉन कोऑर्डिनेटर गुणवान सिंह कोठारी, पूर्व अध्यक्ष मनसुखलाल मारवाड़ी, उपाध्यक्ष अनिल बाफना, यश चौधरी, मीडिया प्रभारी पवन सोनी, सुजामल ओस्तवाल, महेश धनोतिया, भावेश बक्षी, हर्ष जैन, प्रदीप जैन सहित अनेक वीर सदस्य मौजूद रहे। वीरा वर्ग से सुनीता कुदार, रानी जैन, किरण बाला कोठारी, स्वीटी चौधरी, अन्तिम बक्षी, रजनी धनोतिया सहित अन्य महिला सदस्यों ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का संचालन सचिव ऋषभ फाफरिया ने किया। अंत में सह-कोषाध्यक्ष अशोक ओस्तवाल ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त कर आयोजन को सफल बनाने पर धन्यवाद ज्ञापित किया।

सरस्वती शिशु मंदिर सामाजिक चेतना का केन्द्र बने : धनसिंह धनगर

मन्दसौर। ग्राम भारती जिला मन्दसौर द्वारा आयोजित नवीन आचार्य प्रशिक्षण वर्ग-2026 के अंतर्गत सरस्वती शिशु मंदिर, माल्या खेड़ा में विमर्श सत्र का आयोजन किया गया। सत्र में सरस्वती शिशु मंदिर सामाजिक चेतना का केन्द्र कैसे बने विषय पर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में धनसिंह धनगर (कोषाध्यक्ष, ग्राम भारती मालवा एवं सचिव, अवंतिका प्रकाशन न्यास) उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रभुलाल धनोरा (अध्यक्ष, ग्राम भारती मन्दसौर), सुखलाल ओंजना (वर्ग पालक) तथा बगदीरामदास बैरागी (वर्ग संयोजक) की गरिमामयी सहभागिता रही। अपने उद्बोधन में श्री धनगर ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर केवल शिक्षा प्रदान करने का केन्द्र नहीं है, बल्कि समाज में संस्कार, संगठन और सामाजिक चेतना के निर्माण का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का प्रत्येक आचार्य समाज के प्रति उत्तरदायी है तथा विद्यालय को समाज जीवन से जो?कर सामाजिक जागरण का केन्द्र बनाया जा सकता है। उन्होंने विद्यालय, परिवार एवं समाज के मध्य सशक्त समन्वय की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि शिशु मंदिरों के माध्यम से राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक मूल्यों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास किया जाना चाहिए। विद्यालय की गतिविधियों में समाज की सहभागिता ब?कर उसे सामाजिक चेतना का केन्द्र बनाया जा सकता है। विमर्श सत्र के दौरान प्रशिक्षणार्थियों ने विषय से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की तथा अपने विचार प्रस्तुत किए। यह सत्र सभी शिक्षार्थियों के लिए प्रेरणादायी एवं मार्गदर्शक सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वय वर्ग संयोजक श्री बगदीरामदास बैरागी द्वारा किया गया।

श्रमदानियों के अथक प्रयास से शिवना तट पर लौटी स्वच्छता और सुंदरता

मंदसौर। विधायक विपिन जैन के नेतृत्व में संचालित शिवना शुद्धिकरण अभियान रविवार को अपने 128वें दिन भी पूरे उत्साह एवं जनभागीदारी के साथ जारी रहा। अभियान के तहत श्रमदानियों ने शिवना नदी में उतरकर सफाई कार्य किया तथा नदी और उसके तटों पर जमा प्लास्टिक कचरे, गाद एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को निकालकर स्वच्छता का संदेश दिया।

अभियान के मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड़ ने बताया कि हाल ही में हुई बारिश के दौरान शहर के नालों के ओवरफ्लो होने से बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कचरा एवं गंदगी शिवना नदी में पहुंच गई थी, जो नदी के किनारों पर जमा हो गई थी। रविवार को श्रमदानियों ने विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर सफाई अभियान चलाया और नदी से करीब एक ट्रॉली कचरा निकालकर उचित स्थान पर पहुंचाया।

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान स्वयंसेवकों ने नदी में उतरकर गाद और गंदगी हटाई, वहीं तटों पर फैले प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को एकत्रित कर स्वच्छ वातावरण बनाने में योगदान दिया। अभियान के माध्यम से लगातार जनजागरण भी किया जा रहा है, जिससे नागरिकों में नदी संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है।

राजनारायण लाड़ ने शहरवासियों से आह्वान किया कि वे प्रत्येक रविवार प्रात: 7 से 9 बजे तक आयोजित होने वाले शिवना शुद्धिकरण अभियान में शामिल होकर श्रमदान करें और नदी संरक्षण के इस जन अभियान को और अधिक मजबूत बनाएं।

रविवार को आयोजित श्रमदान में हेमराज खाबिया, रमेश सोनी, सुरेश मालवीय, गणेशराम मालवीय, ईश्वरलाल मालवीय, रामप्रसाद मालवीय, रमेश धनगर, कैलाश कुमावत सहित अनेक समाजसेवियों ने भाग लिया।

आरव बाफना ने नेशनल में रजत पदक जीता

मंदसौर। 15 वी मॉडर्न पेंटाथलॉन नेशनल चैंपियनशिप 2026 अहमदाबाद में 31 मई से 04 जून 2026 में आयोजित की गई। इसमें लोटस वैली स्कूल, मंदसौर के आरव बाफना पिता निलेश के बाफना ने अंडर 13 कैटेगरी में खेलते हुए दो रजत पदक बायथले और ट्रायथले इवेंट 400 मीटर रनिंग 100 मीटर स्विमिंग 400 मीटर रनिंग और 3*5 मीटर शूटिंग, 3 300 रनिंग, 100 मीटर स्विमिंग में जीता और मंदसौर और मध्य प्रदेश का नाम *राष्टीय स्तर पर गौरवान्वित किया, आरव बाफना के इस उपलब्धि के लिए प्रभु सर, सुधा मैम, नीलेश सर, आयुष सर, रोहित सर, अभिषेक सर, समीर सर ने आरव को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की दी।

260 किलो डोडाचूरा के साथ अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

मंदसौर। नशा मुक्ति अभियान के तहत मंदसौर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना नाहरगढ़ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक अंतर्राज्यीय तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 260 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा एवं परिवहन में प्रयुक्त पिकअप वाहन जब्त किया है।

पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टी.एस. बघेल एवं एसडीओपी कीर्ति बघेल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक वरुण तिवारी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

मुखबिर की सूचना पर डिगांव-बसई रोड स्थित बोलिया फंटे पर नाकाबंदी की गई। इस दौरान राजस्थान नंबर की एक पिकअप को रोककर तलाशी लेने पर उसमें रखे 13 प्लास्टिक कट्टों से 260 किलोग्राम डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी कुशाल सिंह (42) निवासी गुराड़ी का खेड़ा, थाना भवानीमंडी, जिला झालावाड़ (राजस्थान) को गिरफ्तार किया है। जब्त डोडाचूरा की अनुमानित कीमत 5.20 लाख रुपये तथा पिकअप वाहन की कीमत लगभग 10 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। कार्रवाई में थाना नाहरगढ़ पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

दशपुर रंगमंच ने सदाबहार अभिनेत्री नूतन को गीतों के जरिए दी स्वरांजलि

मंदसौर। दशपुर रंगमंच द्वारा फिल्म अभिनेत्री नूतन के जन्मदिन के अवसर पर एक विशेष संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों ने नूतन अभिनीत फिल्मों के सदाबहार गीतों की सुमधुर प्रस्तुतियां देकर उन्हें याद किया। कार्यक्रम की शुरुआत गायक आबिद भाई ने %चंदन सा बदन, चंचल चितवन% गीत गाकर की, जिसने समां बांध दिया।

इसके बाद मंच पर सुरों का सिलसिला लगातार चलता रहा। ललिता मेहता ने %छोड़ दे सारी दुनिया किसी के लिए% गाकर श्रोताओं को भावुक किया, तो वहीं मीना जैन ने %तुम्हीं मेरे मंदिर, तुम्हीं मेरी पूजा% गीत से भक्तिमय माहौल बना दिया। राजा भैया सोनी ने %सावन का महीना पवन करे सोर% गाकर कार्यक्रम में नया उत्साह भरा, जबकि अभय मेहता ने %राम करे ऐसा हो जाए% की खूबसूरत प्रस्तुति दी। सतीश सोनी ने %जिस पथ पर चला% और पूजा दुग्गड़ ने %ये रातें ये मौसम नदी का किनारा% गाकर पुरानी यादों को ताजा कर दिया। इसी क्रम में श्याम गुप्ता ने %मधुबन खुशबू देता है%, योगेश गोविंदानी ने %जीत जाएंगे हम तू अगर संग है% और आशा तरवेचा ने %फूल तुम्हें भेजा है खत में% जैसे गीतों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में अभिन्न कोठारी और रिया जैन ने भी अपनी बेहतरीन प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए अभय मेहता ने अभिनेत्री नूतन के फिल्मी सफर और उनकी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नूतन जी का अभिनय बेहद सहज और जीवंत रहता था, जिसके लिए उन्हें अपने करियर में 6 बार प्रतिष्ठित फिल्मफेयर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

श्री कुबेर राज गौ सेवा संगठन के जिला अध्यक्ष नियुक्त हुए संधारा सरपंच चांदमल पाटीदार

भानपुरा। तहसील भानपुरा की आदर्श एवं उत्कृष्ट विकास कार्यों के लिए पहचान रखने वाली ग्राम पंचायत संधारा के सरपंच एवं श्री गोपाल गौशाला संधारा के संरक्षक चांदमल पाटीदार को श्री कुबेर राज गौ सेवा संगठन, मध्यप्रदेश की मंदसौर जिला इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से क्षेत्र में हर्ष एवं उत्साह का वातावरण है।

जानकारी के अनुसार संगठन प्रमुख एवं गौसेवक आचार्य तेजेश्वरानंदजी महाराज द्वारा चांदमल पाटीदार को संगठन की मंदसौर जिला इकाई की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नियुक्ति के साथ ही उनसे जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गौवंश संरक्षण, संवर्धन एवं गौसेवा के प्रति जनजागरण अभियान चलाने की अपेक्षा व्यक्त की गई है। आचार्य तेजेश्वरानंदजी महाराज ने विश्वास जताया कि चांदमल पाटीदार जिले के गांव-गांव में गौसेवा की अलख जगाते हुए विभिन्न स्थानों पर गौ सेवा समिति इकाइयों का गठन करेंगे तथा मंदसौर जिले को गौसेवा के क्षेत्र में एक आदर्श जिले के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। नियुक्ति पर चांदमल पाटीदार ने संगठन एवं आचार्य तेजेश्वरानंदजी महाराज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो दायित्व सौंपा गया है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ किया जाएगा। उन्होंने गौसंरक्षण एवं गौसेवा के क्षेत्र में संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प भी व्यक्त किया।

एक नजर

खुले में शौच को मजबूर सैकड़ों प्रवासी मजदूर

चार साल से बंद पड़ा लाखों की लागत का सार्वजनिक शौचालय

पिपलियामण्डी। स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने और खुले में शौच की समस्या समाप्त करने के उद्देश्य से करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन ग्राम पंचायत कनघट्टी में इसकी हकीकत कुछ और ही नजर आ रही है।

यहां पूर्व सरपंच स्वर्गीय बसंतीलाल आर्य की धर्मपत्नी दाखीबाई आर्य के कार्यकाल में लाखों रुपये की लागत से निर्मित सार्वजनिक सुलभ शौचालय पिछले लगभग चार वर्षों से बंद पड़ा हुआ है। रख-रखाव और संचालन के अभाव में यह शौचालय अब धूल

खा रहा है, जबकि गांव में आने वाले सैकड़ों प्रवासी मजदूर और ग्रामीण खुले में शौच करने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों के अनुसार ग्राम पंचायत कनघट्टी कृषि प्रधान क्षेत्र है, जहां वर्ष में दो बार फसल कटाई और अन्य कृषि कार्यों के दौरान बड़ी संख्या में आदिवासी प्रवासी मजदूर रोजगार के लिए आते हैं। इन मजदूरों की संख्या लगभग 500 से 700 तक पहुंच जाती है। लेकिन गांव में सार्वजनिक शौचालय बंद होने के कारण उन्हें सुबह-शाम खुले स्थानों, सड़कों के किनारे, बस स्टैंड क्षेत्र, बालाजी मंदिर के पीछे तथा अन्य सार्वजनिक जगहों पर शौच के लिए जाना पड़ता है। इससे न केवल गांव का वातावरण दूषित हो रहा है बल्कि स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ रही हैं।

गांव के युवा सामाजिक कार्यकर्ता अजय नागरिया ने इस मामले को गंभीर बताते हुए ग्राम पंचायत प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि लाखों रुपये खर्च कर बनाए गए सार्वजनिक शौचालय का वर्षों तक बंद रहना सरकारी धन की बर्बादी का स्पष्ट उदाहरण है।

यदि यह शौचालय संचालित होता तो ग्रामीणों और प्रवासी मजदूरों को बेहतर सुविधा मिल सकती थी तथा गांव को खुले में शौच की समस्या से मुक्ति मिलती।

नीमच

एक नजर में

मनासा में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई : 7 करोड़ की शासकीय भूमि से हटा अवैध निर्माण, भाजपा नेता की दुकानें ढहाई

मनासा। नगर परिषद मनासा ने शनिवार को शासकीय नजूल भूमि पर किए गए अवैध निर्माण के खिलाफ एक बड़ी और सख्त कार्रवाई को अंजाम दिया है। प्रशासन ने लगभग 4,800 वर्गमीटर भूमि पर अवैध रूप से निर्मित दुकानों को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। मुक्त कराई गई इस शासकीय भूमि का अनुमानित बाजार मूल्य करीब 7 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, यह भूमि कुकड़ेश्वर निवासी भाजपा नेता उज्जवल पटवा से संबंधित है। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात रहा। जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला महेश्वरम कॉलोनी के समीप स्थित शासकीय नजूल आबादी सर्वे नंबर 300 की भूमि से जुड़ा है। बताया जा रहा है कि वर्ष 2012 में इस भूमि का कथित रूप से अवैध नामांतरण कराया गया था। इसके बाद, वर्ष 2022 में संबंधित पक्ष द्वारा केवल एक दुकान के निर्माण की अनुमति ली गई थी, लेकिन नियमों को ताक पर रखकर उसी स्थान पर आठ दुकानों का निर्माण कर लिया गया। नगर परिषद के मुताबिक, यह निर्माण कार्य नगर एवं ग्राम निवेश विभाग की आवश्यक स्वीकृति और व्यावसायिक डायवर्शन के बिना किया गया था। इस मामले में नगर परिषद ने 10 जनवरी 2026 को एक प्रस्ताव पारित कर उक्त भूमि पर दी गई निर्माण अनुमति और नामांतरण को निरस्त कर दिया था। इस फैसले के खिलाफ संबंधित पक्ष ने जिला कलेक्टर कार्यालय नीमच में अपील दायर की, जहाँ अपर कलेक्टर ने नगर परिषद के प्रस्ताव को निरस्त कर दिया था।

जीरन-मल्हारगढ़ टू-लेन सड़क परियोजना को मिली रफ्तार, बायपास के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया तेज

नीमच/जीरन। क्षेत्रवासियों के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित झांझरवाड़ा-चेताखेड़ा-जीरन-मल्हारगढ़ टू-लेन सड़क एवं जीरन बायपास परियोजना को लेकर सकारात्मक खबर सामने आई है। जानकारी के अनुसार भोपाल स्तर पर लंबित फाइल संबंधी प्रक्रियाओं में प्रगति होने के बाद परियोजना को गति मिल गई है और जून माह में भूमिपूजन के साथ निर्माण कार्य प्रारंभ होने की संभावना जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित जीरन बायपास के लिए आवश्यक भूमि के सर्वे नंबर चिन्हित किए जा चुके हैं तथा भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी आगे बढ़ रही है। बायपास के निर्माण से जीरन नगर में भारी वाहनों का दबाव कम होगा और यातायात व्यवस्था अधिक सुगम एवं सुरक्षित बन सकेगी। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अनुसार क्षेत्रीय विधायक दिलीप सिंह परिहार के सतत प्रयासों तथा भाजपा दक्षिण मंडल के पदाधिकारियों की सक्रिय पहल से परियोजना को गति मिली है। भाजपा दक्षिण मंडल अध्यक्ष मदन गुर्जर ने उम्मीद जताई कि सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण होने के बाद शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ होगा। क्षेत्रवासियों का मानना है कि यह परियोजना पूरी होने पर नीमच, जीरन और मल्हारगढ़ क्षेत्र के हजारों लोगों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही व्यापार, परिवहन एवं आवागमन को भी नई गति मिलेगी, जिससे क्षेत्र के आर्थिक विकास को बल मिलेगा। लंबे समय से इस परियोजना का इंतजार कर रहे लोगों में अब निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होने की संभावना से उत्साह का माहौल है।

रतनगढ़ में भीषण जल सकंट, कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

रतनगढ़। नगर पंचायत द्वारा वार्डों में जनता को स्वच्छ पानी ,नलो मे पानी नहीं आने पर नगर जनता कि परेशानी को लैकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगर पंचायत के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन करके नारेबाजी के साथ नगर पंचायत सीएमओ को ज्ञापन सौंपा ।

ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष शम्भु भाई चारण द्वारा नगर की कई मुद्दों पर सीएमओ से चर्चा करके कहा की गांव में खड्डे को भरा जाऐ। पानी की समस्या का जल्दी निराकरण किया जाये ! नगर में कई जगहों पर स्टेड लाईट बन्द है उन्हें शीघ्र सुधारे जाये ! ज्ञापन का वाचन ब्लाक कोषाध्यक्ष सुभाष व्यास द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पधारे समस्त कांग्रेस जनों का और पधारे माता बहिनों का आभार नगर मंडलम अध्यक्ष निशार अब्बासी ,नगर अध्यक्ष लखन भाटी द्वारा माना गया ! विरोध प्रदर्शन ज्ञापन कार्यक्रम मे उपस्थित वरिष्ठ नेता धीरज व्यास, अजा.ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष रामस्वरूप सोलंकी, वरिष्ठ नेता जगदीश बैरागी, शब्बीर बोहरा सरकार,ईब्राहीम ईनायक अली बोहरा., ब्लाक सचिव ताहैर राव बोहरा,पूर्व पार्षदगण डॉ कमल व्यास, शब्बीर कंठालिया बोहरा,कांग्रेस जिला सचिव मलकित सिंह सरदार,बेनीराम वर्मा., रामचंद्र वर्मा, युवा विधानसभा उपाध्यक्ष कमल छपरिबंद, डॉ पिंकेश सोलंकी, प्रदीप सोलंकी,कादीर खा़न,शफीक पठान, दैवी लाल पैंटर,शुभम सोनी, भाष्कर सोलंकी, भोजराज भील,दीपक चारण, गोविन्द कुमार, रमेश चन्द्र खटीक, प्यार जी वर्मा, नितिन सोलंकी, शान्ती लाल सोनी,गोलु छपरिबंद, शब्बीर बोहरा बिजोलिया वाले ,शरिफ शाह, सत्ता खान एवं माता बहिनों भी पानी समस्या को लेकर ज्ञापन देने कार्यक्रम में भारी संख्या में पहुची।

'शौर्य के साथ सेहत का संकल्प- साराबोर हुआ सीआरपीएफ मेहता स्टेडियम'

नीमच। विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में रविवार, दिनांक 07/06/2026 को ग्रुप केंद्र, सीआरपीएफ नीमच द्वारा भारत सरकार के 'फिट इंडिया मूवमेंट' अभियान के अंतर्गत फिटनेस एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक भव्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया।

इस साइकिल रैली का शुभारंभ नीमच परिसर में स्थित मेहता स्टेडियम से श्री प्रमोद कुमार साहू कमांडेंट ग्रुप केंद्र नीमच द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस साइकिल रैली में सीआरपीएफ नीमच स्थित सीटीसी नीमच, ग्रुप केन्द्र नीमच, रेंज नीमच, आरटीसी नीमच, संयुक्त अस्पताल नीमच, प्रथम बटालियन तथा 4 सिग्नल बटालियन के अधिकारियों एवं कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक एवं सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रतिभागियों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, शारीरिक फिटनेस बनाए रखने तथा पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का संकल्प लिया। यह रैली मेहता स्टेडियम से शुरू होकर मास्टर कैंटीन, मेंन्स क्लब, संयुक्त अस्पताल, सरदार गेट, रतन स्वीट्स चौराहा, गर्ल्स कॉलेज, पी.एम. श्री केन्द्रीय विद्यालय, मेहता गेट, आर.टी.सी. गेट, पी.ओ.पी. ग्राउण्ड होते हुए शॉपिंग काम्पलेक्स पहुंची। श्री शैलेंद्र थोरेचा उप कमांडेंट ग्रुप केंद्र सीआरपीएफ नीमच को इस रैली के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया था।

ट्रैक्टर-ट्रॉली से गिरने पर किसान की मौत, ट्रॉली का पहिया चढ़ने से हुआ हादसा

नीमच। जिले के जावद थाना क्षेत्र अंतर्गत नयागांव चौकी क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 45 वर्षीय किसान की मौत हो गई। मृतक की पहचान मनोहरलाल नायक निवासी खेड़ी के रूप में हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मनोहरलाल नायक अपने खेत की ओर ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा रहे थे। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वे ट्रैक्टर-ट्रॉली से नीचे गिर गए। हादसे में ट्रॉली का पहिया उनके ऊपर से गुजर गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।परिजन उन्हें तत्काल उपचार के लिए निजी श्रीराम अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर किया गया। हालांकि गंभीर चोटों के कारण उनकी जान नहीं बच सकी और चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही नयागांव चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। जिला चिकित्सालय में शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया।

मृतक के पुत्र ने बताया कि उनके पिता खेत पर कृषि कार्य के लिए जा रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है।पुलिस ने मर्ग कायम कर दुर्घटना के कारणों की जांच प्रारंभ कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह एक दुर्घटनावश हुआ हादसा बताया जा रहा है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

एक नजर

शेडनेट हाउस में खीरा-ककड़ी उगाकर दशरथ पाटीदार ने कमाए 4.75 लाख

एकीकृत बागवानी विकास मिशन से समृद्ध हुआ नीमच का किसान

नीमच। योजनाओं का लाभ सही समय पर मिल जाए, तो मेहनत रंग लाती है। यह कहना है नीमच विकासखंड के ग्राम केलूखेड़ा के प्रगतिशील कृषक दशरथ-नरसिंहलाल पाटीदार का। परंपरागत गेहूं की खेती से सीमित आय अर्जित करने वाले दशरथ ने एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना (रूढ्ढष्ठ॥) के तहत संरक्षित खेती को अपनाकर अपनी तकदीर बदल दी है। आज वे जिले के अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गए हैं।

पहले थी चुनौतियां, अब मिली नई राह- दशरथ बताते हैं, कि पहले वे 2500 वर्ग मीटर खेत में केवल गेहूं

की खेती करते थे। सिंचाई, खाद-बीज पर 45 हजार रुपये खर्च करने के बाद भी 55 क्विंटल उपज से 1,47,125 रुपये की कुल आय होती थी। सभी खर्च काटकर शुद्ध लाभ मात्र 1,02,125 रुपये बचता था। परिवार का भरण-पोषण कठिन था। तभी उन्हें उद्यानिकी विभाग से रूढ्ढष्ठ॥ योजना की जानकारी मिली।

8.87 लाख के अनुदान से बना शेडनेट हाउस- जिला उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में दशरथ ने 8.87 लाख रुपये के अनुदान से अपने खेत में 2500 वर्ग मीटर का शेडनेट हाउस स्थापित किया। विभाग के तकनीकी अधिकारियों ने उन्हें संरक्षित खेती की वैज्ञानिक विधि, ड्रिप सिंचाई, उन्नत बीज व कीट प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया। इसके बाद उन्होंने खीरा-ककड़ी की व्यावसायिक खेती प्रारंभ की।

चार गुना बढ़ी आय, बदली जीवन की तस्वीर- परिणाम चौंकाने वाले रहे। शेडनेट हाउस में जलवायु नियंत्रित वातावरण मिलने से फसल की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों बढ़े। एक सीजन में 450 क्विंटल खीरा-ककड़ी का उत्पादन हुआ।

2 लाख रुपये की लागत के बाद भी कुल आय 6,75,000 रुपये हुई। इस प्रकार शुद्ध लाभ 4,75,000 रुपये प्राप्त हुआ, जो गेहूं की खेती से होने वाली आय का लगभग पांच गुना है। किसान की जुबानी- दशरथ कहते हैं कि शासन की रूढ्ढष्ठ॥ योजना मेरे लिए वरदान साबित हुई। पहले बाजार में भाव कम मिलने व मौसम की मार से नुकसान होता था।